DR. RAMENDRA KUMAR SINGH
Assistant Professor
P.G. Deptt. of Psychology
Maharaja College, Ara.

B.A - III (Psychology Hons.)
Paper - 5th

Topic -
Factors or Determinants of
Socialization

Scanned by CamScanner

समाजीकरण के कारक या निर्धारक (Factors or Determinants of Socialization) —

समाजीकरण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें अनेक कारक अपना योगदान देते हैं। कुछ कारक जिनका समाजीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण स्थान है निम्नलिखित हैं —

1. **परिवार** (Family) — Primary Socialization अर्थात् बच्चों के समाजीकरण में परिवार का महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चा किसी परिवार में जन्म लेकर वह उस परिवार का सदस्य बन जाता है तथा उसका अधिक समय परिवार में गुजरता है। उनका मस्तिष्क कच्चा होता है, जिसके कारण किसी भी घटना का प्रभाव उनपर गहरा पड़ता है। अनेक समाजशास्त्रियों एवं समाज मनोवैज्ञानिकों का मत है कि परिवार ही वह पहली संस्था होती है जो बच्चों को शिष्टाचार एवं नैतिकता की शिक्षा देकर उसे एक योग्य व्यक्ति बनाता है। परिवार में ही बच्चों का Self का विकास होता है परन्तु परिवार की संरचनात्मक विशेषताओं तथा विभागों में भिन्नता होने के कारण बच्चों के समाजीकरण में भिन्नता उत्पन्न होती है। इस सम्बंध में निम्नलिखित कारक महत्वपूर्ण हैं —

(A) **यौन-भूमिका** (Sex Role) — समाजीकरण पर बच्चों की आयु तथा यौन-भूमिका का पड़ता है। उम्र वृद्धि के साथ बच्चे अपने आप को लड़का या लड़की के रूप में देखने लगते हैं और अपनी यौन-भूमिका के अनुकूल मूल्यों, विश्वासों एवं मानदण्डों को सीखते हैं। लड़कियाँ अपनी माताओं के साथ identification स्थापित कर feminine role को अदा करने लगती हैं तथा दूसरी ओर लड़के अपने पिता के साथ identification स्थापित कर अपने संस्कृति द्वारा परिभाषित पुरुष-भूमिका को निभाने लगते हैं। Lynn के अनुसार

लड़कियों का लड़कों की अपेक्षा यौन-भूमिका सीखना आसान होता है। ब्रिम के अनुसार यौन-भूमिका के शिक्षण पर माता-पिता के साथ-साथ सगे भाई-बहनों का भी प्रभाव पड़ता है। यदि परिवार में भाई-बहन दोनों होते हैं, तो बच्चों में opposite sex के शीलगुण अधिक विकसित होते हैं और यदि केवल भाई या बहन हों तो उनमें विपरीत लिंग के शीलगुणों का विकास कम होता है।

(B) <u>माता-पिता का व्यवहार</u> (Parental Behaviour) — समाजीकरण की प्रक्रिया माता-पिता द्वारा बच्चों के साथ किये गये व्यवहार से प्रभावित होता है। माता-पिता द्वारा बच्चों पर नियंत्रण का गुण तथा मात्रा एवं बच्चों को मिलने वाले स्नेह तथा सहारा की मात्रा समाजीकरण को प्रभावित करता है। अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि आगमिक अथवा सत्तावादी नियंत्रण वाले माता-पिता के बच्चों का समाजीकरण काफी कुशल तथा अनुकूल होता है। इनमें self esteem, Competence, Conscience, achievement motivation आदि सामाजिक शीलगुण विकसित हो जाते हैं। कुछ माता-पिता अपने बच्चों के साथ अधिक कठोर व्यवहार करते हैं जिसके कारण उनमें विद्वेष की भावना उत्पन्न होती है। बच्चों के कुशल समाजीकरण के विकास में माता-पिता का अति स्नेह या अति तिरस्कार हानिप्रद है। ऐसे बच्चे समस्यात्मक तथा अपराधी बन जाते हैं।

Scanned by CamScanner

(C) परिवार का आकार (Family Size) —

परिवार का आकार का सम्बंध समाजीकरण से है। अध्ययनों में यह पाया गया है कि छोटे परिवार के बच्चों का N.A. एवं उपलब्धि-प्रेरक अधिक होता है बड़े आकार वाले परिवार की अपेक्षा। इसका प्रधान कारण यह है कि छोटे परिवार में माता-पिता तथा बच्चों के साथ पारस्परिक प्रक्रिया अधिक होती है। व्हाइटिंग के अनुसार छोटे परिवार के बच्चे अधिक आज्ञाकारी, सेत्र-आश्रित, रूढ़िवादी तथा स्वार्थी होते हैं जबकि बड़े तथा विस्तृत परिवार के बच्चे क्षेत्र-स्वतंत्र, उदार तथा मिलनसार होते हैं।

(D) जन्म-क्रम (Birth Order) — इस चर के प्रभाव के सम्बंध में विरोधी परिणाम मिलते हैं। इसीकारण शूलर ने कहा है कि एक स्वतंत्र चर के रूप में जन्म-क्रम को गणना नहीं की जानी चाहिए। अध्ययनों में यह पाया गया है कि first borns को माता-पिता का सहारा तथा नियंत्रण अधिक प्राप्त होता है और उनके प्रति expectations भी अधिक होती है। अतः वे अन्य बच्चों की अपेक्षा अधिक लाभांवित होते हैं। इनमें पैतृक मूल्यों का अन्तरीकरण अधिक होता है। उपलब्धि - आवश्यकता अधिक विकसित होती है। First borns के आत्म धारण के निर्माण पर माता-पिता के मूल्यांकन का अधिक प्रभाव पड़ता है।

Scanned by CamScanner

(2) पड़ोस (Neighbourhood) — बच्चों के समाजीकरण में पड़ोस का महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चों का कुछ समय पास पड़ोस में गुजरता है। पड़ोसियों के सम्पर्क में आकर वे व्यक्ति नये-नये व्यवहारों को सीखता है। किसी समस्या का समाधान आपस में मिलकर करते हैं, जिससे व्यक्ति नये-नये आदर्शों से परिचित होता है जो चेतन या अचेतन रूप से समाजीकरण की प्रक्रिया को प्रभावित करता है।

(3) स्कूल-संदर्भ (School Context) — परिवार के बाद स्कूल ही एक ऐसी संस्था है, जिसमें बच्चों का involvement सबसे अधिक होता है। स्कूल का सम्बंध बच्चों के औपचारिक निर्देशन तथा उनके संज्ञानात्मक कौशल के विकास से होता है। पार्सन्स ने कहा है कि स्कूल प्रथम सामाजिक एजेन्सी है जिससे बच्चों में उनकी उपलब्धि के आधार पर status differentiation का विकास होता है। स्कूल में शिक्षक तथा शिक्षार्थी के बीच सम्बंध का प्रभाव न केवल बच्चों के समाजीकरण पर बल्कि शिक्षकों के समाजीकरण पर भी पड़ता है।

(4) भाषा योग्यता (Language Ability) — समाजीकरण का एक निर्धारक भाषा है। भाषा के माध्यम से ही एक व्यक्ति अपने विचारों से दूसरे को अवगत कराता है। भाषा के सहारे ही बच्चे अपने माता-पिता, भाई-बहन तथा शिक्षक से सम्बंध स्थापित करते हैं। भाषा के माध्यम से मौखिक पुरस्कार एवं दण्ड बच्चों को प्राप्त करते हैं जिसका प्रभाव समाजीकरण पर पड़ता है।

Scanned by CamScanner

(5) अभिजात समूह (Peer Group) — पड़ोस एवं स्कूल के समान एक आयु वर्ग के बच्चे एक अलग समूह का निर्माण करते हैं जो ऐच्छिक होता है। किसी बच्चे की यह स्वतन्त्रता होती है कि वह उस समूह को आसानी से छोड़ सकता है। किशोरों के समूह में समान यौन के सदस्य होते हैं। अतः उन्हें अपने यौन के अनुकूल क्रिया करने तथा यौन के दूसरे सदस्यों के साथ आत्मीकरण स्थापित करने की प्रेरणा मिलती है। कोलमैन के अनुसार अभिजात समूह बच्चों के लिए संदर्भ-समूह का भी काम करता है तथा उनके समाजीकरण को इस रूप में प्रभावित करता है।

Scanned by CamScanner